अनुक्रमांकः .....
निरीक्षकस्य हस्ताक्षरम् .....

Paper Code
MAS 202

पतञ्जलिविश्वविद्यालयः

परीक्षा – मईमासः – 2018

एम.ए. संस्कृतम्, (सत्रम् : द्वितीयम)
व्याकरणम्

समयः – होरात्रयम् **अधिकतमाङ्काः – 70**

निर्देशः यह प्रश्नपत्र सत्तर (70) अंकों का है जो तीन (03) खंडों क, ख, तथा ग में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

खण्डः क
(दीर्घोत्तरीयप्रश्नाः)

निर्देशः खण्ड 'क' में पांच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिए हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पंद्रह अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(3×15=45)**

1. अग्रलिखितों की सूत्रनिर्देशपूर्वक सिद्धि करें – जुहाव, अदेवीत्, चिक्युः।

2. अग्रलिखित प्रयोगों की विस्तृत सिद्धि करें – तोत्ता, अतनिष्ट, अजीगणत्।

3. अग्रलिखित सूत्रों की सोदाहरण व्याख्या करें।
1. अव्ययीभावे शरत्प्रभृतिभ्यः 2. तद्धितेष्वचामादेः, 3. अर्धर्चाः पुसि च, 4. इणः षः, 5. अल्पाच्तरम्।

4. अग्रलिखित सूत्रों की सोदाहण व्याख्या करें।
1. कर्मणि द्वितीया, 2. अकथितं च, 3. ध्रुवमपायेऽपादानम् 4. सप्तम्यधिकरणे च, 5. गोरतद्धितलुकि

5. अग्रलिखित वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद करें –

(क) – (1X5=5)
1. माला केवड़ा वृक्ष से फूल चुनती है।
2. गौरी को जलेबी अच्छी लगती है।
3. उसके द्वारा हरिद्वार से दिल्ली रेल द्वारा जाया जायेगा।
4. सज्जन लोग ज्ञान धन वाले होते हैं।
5. शिशु अपनी माँ को याद कर रहा है।

(ख) – अधोलिखित पदों की सिद्धि करे – $(2X4\frac{1}{2}=10)$
1. उपशरदम् 2. चित्रगुः ।

खण्डः ख
(लघूत्तरीयप्रश्नाः)

निर्देशः खण्ड 'ख' में छः (06) लघु उत्तरीय प्रश्न दिए गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पांच अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(4×5=20)**

1. अग्रलिखित सूत्रों की सोदाहरण व्याख्या करें – 1. भृञामित् 2. ओतः श्यनि।

2. अग्रलिखित सूत्रों की सोदाहरण व्याख्या करें – 1. जनिवध्योश्च 2. आत्मनेपदष्वन्यतरस्याम।

3. अग्रलिखित पदां की सिद्धि करे – तुदति, तनोति।

4. अग्रलिखित पदों की सिद्धि करें – अग्रहीत्, कुम्भकारः।
5. अग्रलिखित सूत्रों की सोदाहरण व्याख्या करें – न निर्धारणे, द्वन्द्व धिः।
6. अग्रलिखित पदा की सिद्धि करें – पितरौ, पञ्चगवम्।

खण्डः ग
(अतिलघूत्तरीयाः प्रश्नाः)

निर्देशः खण्ड 'ग' में दस (10) वस्तुनिष्ठ प्रश्न दिए गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आधा (0.5) अंक निर्धारित है। इस खण्ड के **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं। **(10×0.5=05)**

1. अदित शब्द मे 'इ' आदेश किस सूत्र से होता है?
   (अ) भृञामित (ब) स्कोध्वोरिच्च
   (स) इटितो वा (द) इदग्नेः सोमवरुणयोः
2. पिप्ये किसका रूप है?
   (अ) पा रक्षणे लिट् प्रथम पुरुष बहुवचन (ब) पा पाने लट् प्रथम पुरुष बहुवचन
   (स) पा रक्षण लिट् एकवचन (द) पीङ् पाने लिट् प्रथम पुरुष एकवचन
3. रुधिर् आवरणे धातु का लट् प्रथम पुरुष द्विवचन का शब्द रूप है .....
   (अ) रुन्धतः (ब) रुन्धितः
   (स) रुन्धः (द) रुन्ध
4. मीनाति पद में कौन-सा धातु है?
   (अ) मीन मत्स्यधारणे (ब) मिङ् भिङ् गतौ
   (स) मीञ् हिंसायाम् (द) मी शब्दे
5. 'गां दोग्धि पयः' इसका कर्मवाच्य का प्रयोग है .....
   (अ) गां दुह्यते पयः (ब) गौः दुह्यत पयसा
   (स) पयः गौः दुह्यते (द) गौर्दुह्यते पयः
6. 'वाक्चपलः' इस पद में समास विधायक सूत्र है .....
   (अ) सप्तम्यधिकरणे च (ब) पात्रे सम्मितादयश्च च
   (स) सप्तमी शौण्डैः (द) वाचि सप्तमी वा
7. 'सूत्रकारः' इस पद में कौन-सा समास है?
   (अ) प्रथमतत्पुरुष (ब) द्वितीयातत्पुरुष
   (स) चतुर्थीतत्पुरुष (द) पञ्चमी तत्पुरुष
8. दीर्घसक्थः पद मे प्रत्यय है .....
   (अ) रच् (ब) अथ्
   (स) षच् (द) खच्
9. भ्रष्टा पद में धातु है .....
   (अ) भ्रस्ज पाके (ब) भ्रंसु भ्रंसने
   (स) भ्रष – भरणे (द) ओव्रश्चु छेदने
10. मेने पद किस लकार का है?
   (अ) लट् (ब) लिट्
   (स) विधिलिङ् (द) लुट्

----------x----------